

राज्यपाल ने गीतकार श्री माहेश्वर तिवारी तथा मशहूर शायर श्री इब्राहिम अशक को सम्मानित किया
प्र० सिंदूर के गीतों में आत्मविश्वास था - राज्यपाल

लखनऊ: 07 अक्टूबर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह में सिंदूर मेमोरियल अकादमी द्वारा प्रख्यात गीतकार स्व० रामस्वरूप सिंदूर की 87वीं जयंती पर आयोजित समारोह में 'प्र० रामस्वरूप सिंदूर सम्मान-2017' से हिन्दी के प्रख्यात गीतकार श्री माहेश्वर तिवारी तथा उर्दू के मशहूर शायर श्री इब्राहिम अशक को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र व रुपये 25 हजार का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश की पर्यटन मंत्री डा० रीता बहुगुणा जोशी, अकादमी के संरक्षक पद्मश्री श्री इरशाद मिर्जा, अध्यक्ष डा० महमूद रहमानी, महासचिव उस्ताद युगांतर सिंदूर सहित अन्य जानी-मानी हस्तियाँ व साहित्य अनुरागी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने सम्मान समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्र० रामस्वरूप सिंदूर के लेखन में जीवंतता है। साहित्य के क्षेत्र में उन्होंने जिस तरह संचार किया है ऐसा व्यक्तित्व बिरले ही मिलता है। गहन चिंतन और संवेदना के साथ उन्होंने सुंदर काव्य रचनाएं दी हैं। प्र० सिंदूर के गीतों में आत्मविश्वास था। उन्होंने कहा कि समाज में सदगुणों से युक्त अलग स्थान ग्रहण करने वालों की याद समय के साथ कम होती जाती है मगर प्र० सिंदूर अपनी रचनाओं के माध्यम से आज भी जीवित हैं।

श्री नाईक ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि अकादमी द्वारा हिन्दी और उर्दू के साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। भारतीय भाषाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दी सबसे बड़ी बहन है और उर्दू उसकी छोटी बहन है। हिन्दी के बाद पूरे देश में उर्दू के जानने और बोलने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि सभी भाषाओं का सम्मान होगा तभी कलम की ताकत बढ़ेगी और देश को अच्छी रचनाएं सुनने व पढ़ने को मिलेंगी।

राज्यपाल ने लखनऊ में साहित्यिक आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि जैसे दिल्ली राजनैतिक राजधानी है, मुंबई आर्थिक राजधानी है, वाराणसी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक राजधानी है उसी तरह लखनऊ साहित्य और कला की राजधानी है। राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन और मुशायरे में सम्मिलित होने आए कवियों और शायरों डा० शिवओम अम्बर, डा० माजिद देवबंदी, डा० धनन्जय सिंह, श्री अजहर इनायती, डा० सुरेश, श्री खुशबीर सिंह साद, सुश्री कमर सुरूर, डा० मनीष शुक्ला, श्री जयराम जय, सुश्री निहारिका, श्रीमती उषा सिन्हा, श्रीमती सीमा भारद्वाज, श्रीमती राखी किशोर व अन्य को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

पर्यटन मंत्री डा० रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि प्र० सिंदूर जैसे लोग अपनी कलम और भावनाओं से समाज को निरन्तर प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उनकी विचारधारा से जोड़ने की जरूरत है।



